20/03/25 पत्रावली आज पेश हुई वकील वादी उप०/ मूल दावा स्वीकार होने से हस्तगत आवेदन का कोई औचित्य नहीं रहने से हस्तगत आवेदन भी निरस्त किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.04.02 15:34:35 IST
Reason: SelfAttested